राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान
मार्च, 2020

वर्ष 17 **अंक 3**

प्रिय, पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशुपालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण –

जैसा कि आप सभी जानते हैं अप्रेल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ी में पशु रोग पूर्वानुमान मार्च, 2020 हेतु प्रस्तुत है।

सावधानियां व सुझाव :

1. सामान्यतः मार्च माह में सर्दी कम होने लगती है, इस बदलते मौसम में पशुओं में संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है अतः पशुपालक पशुओं का रात के समय आवश्यकता अनुसार सर्दी से व दिन के समय गर्मी से बचाव का समुचित प्रबंध करें।
2. पीने के पानी की उचित व्यवस्था करें। दिन में कम से कम 3 से 4 बार पशुओं को पानी उपलब्ध करने का इंतजाम करें। पानी की कुण्डी साफ रखें। पानी की कुण्डी में पशुपालक काम के उपरान्त हाथ–पांव ना धोय और ना हो इस पर पक्षियों को बैठने द ताकि पशुओं को संक्रमण से बचाया जा सकें।
3. इस समय मच्छर, मक्खी, चींचड आदि जीवों की संख्या में तेजी से वद्धि हो रही है, अतः पशुपालकों को चाहिए की पशुबाड़े के आस–पास गन्दा पानी एकत्र ना होने दें ताकि इन मच्छर, कीट इत्यादि को पनपने व इनसे फैलने वाले रक्त–परजीवी रोगों जैसे कि थाइलेरियोसिस, ट्रिपेनोसोमोसिस एवं बबसियोसिस इत्यादि से पशुओं को बचाया जा सके।
4. पशुओं को लवणों की कमी से बचाने हेतु लवण–मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बांटे में मिलाकर देवें।
5. पशुओं को परजीवी प्रकोप से बचाने के लिए पशु चिकित्सक की सलाहनुसार परजीवीनाशक घोल या दवा देवें जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सुधार हो एवं चारे–दाने का सदुपयोग हो सके।
6. पशुपालक इस महीने में पशुओं के फड़किया, गलघोटू, लगड़ा बुखार, ठप्पा रोग, खुरपका–मुंहपका आदि के टीके आवश्यक रूप से लगवायें ताकि आने वाले महीनों में होने वाले इन रोगों से बचाव हो सके।
7. दुग्ध उत्पादन में कमी अथवा किसी बीमारी के लक्षण की स्थिति में निकटतम पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें।

उपरोक्त रोगों के अतिरिक्त निम्न रोगों के फैलने की सम्भावनाएं विशेषज्ञों द्वारा पूर्वानुमानित है :–

सर्वाधिक सम्भावित पशु एवं मुर्गियों के रोगों का पूर्वानुमान मार्च, 2020

पशु रोग	पशु प्रकार	क्षेत्र
खुरपका–मुँहपका रोग	गाय, भैंस, भेड़, बकरी	बाड़मेर, चूरू, दौसा, जयपुर, धौलपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, नागौर, अजमेर, कोटा, सवाईमाधोपुर, जैसलमेर
पी.पी.आर.	भेड़, बकरी	बीकानेर, सीकर, कोटा, उदयपुर, नागौर, जोधपुर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जैसलमेर, सिरोही, पाली, टोंक
फड़किया रोग	भेड़, बकरी	जयपुर, धौलपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, सीकर, अलवर, भीलवाड़ा, कोटा, बारां, टोंक, जोधपुर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, पाली, सिरोही
सर्रा (तिबरसा)	गाय, भैंस, ऊंट	धौलपुर, भरतपुर, सीकर, हनुमानगढ़
हेमरेजिक सेप्टीसिमिया (गलघोंटू)	गाय, भैंस	दौसा, अजमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जयपुर, सीकर हनुमानगढ़, अलवर, चित्तौडगढ़, पाली, टौंक, भरतपुर, उदयपुर, धौलपुर
बबेसियोसिस (खून मूतना)	गाय, भैंस	चित्तौड़गढ़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कोटा
एन्जूटिक अबोर्शन	भेड़	बीकानेर, नागौर, हनुमानगढ़
माता रोग (चेचक)	भेड, बकरी, ऊँट	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, सिरोही, पाली, जोधपुर, चूरू
लँगड़ा बुखार (Black Quarter)	गाय	चित्तौड़गढ़, बीकानेर, हनुमानगढ़, नागौर, जयपुर
ऐनाप्लाज्मोसिस	भैंस	भरतपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
बोटूलिज्म	गाय	बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर, पाली, सिरोही, बीकानेर
रानीखेत रोग	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा
इन्फेक्शियस ब्रोंकाइटिस	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा
अन्तः परजीवी (एम्फीस्टोमियेसिस, फेसियोलियेसिस)	गाय, भैंस, भेड़, बकरी	भरतपुर, धौलपुर, अलवर, कोटा, डूंगरपुर, उदयपुर, बांसवाडा, हनुमानगढ़, सवाईमाधोपुर, सीकर, बूंदी

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. राकेश राव, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, प्रो. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं प्रो. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलेज, राजुवास, बीकानेर। फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183, टोल फ्री नम्बर 18001806224

मुद्रित सामग्री
अंक 17 (3) 2020

भारत सरकार की सेवार्थ

बुक पोस्ट

सेवा में

.....

.....

.....

प्रेषक –

जन संपर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334 001

Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com

Website: www.rajuvas.org